श्री मोती लाल वोरा: माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि अंत्योदय अन्न योजना की शुरुआत 25 दिसंबर, 2000 को हुई थी और उस समय एक करोड़ निर्धन परिवारों को उसमें शामिल किया गया था। इसे बढ़ाकर आपने अब ढाई करोड़ कर दिया है, लेकिन माननीय मंत्री जी ने अपने प्रश्न के जवाब में कहा है कि अभी तक 38 प्रतिशत परिवारों को अंत्योदय अन्न योजना के अधीन कर लिया गया है, तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जो 62 प्रतिशत शेष हैं, उनके कवरेज में कितना समय लगेगा? इसके साथ-साथ मंत्री जी ने कहा है कि शहरी क्षेत्र में जो निर्धनतम परिवार हैं, उसमें भी अंत्योदय अन्न योजना के परिवारों की पहचान की जानी है - ये दोनों चीजें ऐसी हैं कि एक तो 38 प्रतिशत आपने कवरेज किया और शहरी क्षेत्र में इस योजना के अंदर अभी तक पहचान की जानी है... मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि यह पहचान करने में और ढ़ाई करोड़ निर्धन परिवारों को जो लाभ मिलना चाहिए था, आपने उसमें अभी तक 38 प्रतिशत लोगों को लाभ दिया है, मैं इतना ही जानना चाहता हूं?

श्री शरद पवार: यह जो 38 प्रतिशत की फिगर है, यह आंध्र प्रदेश तक ही सीमित है और आंध्र प्रदेश में जो टोटल BPL फैमिलीज हैं, इनमें से 38 परसेंट फैमिलीज ऐसी हैं, जो AAY में आती हैं। अपने यहां तीन स्कीमें हैं, एक अबोव पावर्टी लाइन वालों के लिए है, BPL के लिए अलग है और जो AAY है, जो BPL है इसमें भी जो सबसे ज्यादा गरीब लोग हैं, जो हमेशा सबसे ज्यादा संकट में रहते हैं, उनके लिए उनका अलग क्राइटेरिया दिया है। आन्ध्र प्रदेश के बारे में, जहां तक हमारी इन्फोर्मेशन है, जो टोटल BPL फैमिलीज हैं, इनमें 38 परसेंट लोग AAY कैटेगरी में आते हैं और इनका सलेक्शन ग्राम लेवल पर होता है। ग्राम पंचायत की मीटिंग बुलाकर, गांव में सबसे गरीब लोग कौन हैं, इनकी लिस्ट तैयार करते हैं और इसको स्टेट गवर्नमेंट स्वीकार करती है। उनकी लिस्ट स्वीकार होने के बाद भारत सरकार उनको अनाज देती है। इसलिए थोड़ा कंफ्यूजन होता है, BPL अलग है और AAY अलग है।

*224[The Questioner (Shri Datta Meghe) was absent. For answer *vide* Col. 45 infra]

Linking of Gurgaon/Rewari/Alwar with Punjab

*245. SHRI DHARAM PAL SABHARWAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have received any representation to link Gurgaon/Rewari/Alwar with Punjab by extending/diverting some of the trains which terminate at Delhi/New Delhi;

(b) if so, by when; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI LALU PRASAD): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The matter has been examined but not found feasible, at present, due to operational and resource constraints.

श्री धर्मपाल सभ्रवाल: उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हजारों लोग पवित्र धाम शीतला माता के दर्शन करने के लिए गुड़गांव में जाते हैं और खाटूश्याम के दर्शन करने के लिए रिंगस में जाते है। पंजाब के अनेक भागों से आने वाले यात्रियों की भावना एवं पंजाब की मंडियों से काफी मात्रा में अनाज और अन्य सामान बिकने के लिए देश के उत्तरी और पश्चिमी भागों में आता है। इसको ध्यान में रखते हुए अगर गुड़गांव, रेवाड़ी और अलवर रेल मार्ग को पंजाब से जोड़ दिया जाए तो इससे न केवल जनता को सुविधाएं प्राप्त होंगी अपितु सरकार को भी करोड़ों रुपए प्राप्त होंगे ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: सवाल कीजिए, सवाल कीजिए।

श्री धर्मपाल सभ्रवाल: और आदमी भी होगी। महोदय, ऐसा करने में सरकार को कोई अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा क्योंकि वर्तमान में पंजाब से आने वाली गाड़ियां दिल्ली में काफी समय तक खाली रहती हैं। इससे दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर भी भीड़ होती है।

श्री उपसभापति: सभ्रवाल जी, आप सवाल कीजिए।

श्री धर्मपाल सभ्रवाल: क्या सरकार वर्तमान में गुंड़गांव दिल्ली मार्ग पर, गेज परिवर्तन के कार्यों को ध्यान में रखते हुए, कुछ अतिरिक्त गाड़ियां वहां पर रोकने और अतिरिक्त नई गाड़ियां चलाने पर विचार करेगी?

SHRI R. VELU: Sir, the hon. Member wants to know whether I could extend the trains that are coming to Delhi, Gurgaon, Rewari and Alwar. Sir, Gurgaon is only 31 Kms. from Delhi. Though he has mentioned about the religious importance of the place, it has become a part of the metropolitan, and today, we have one pair of trains from there connecting Pubjab. So far as Rewari is concerned, we have got 4 pairs of trains connecting Punjab. In respect of Alwar, again, currently, two pairs of express trains are connecting Punjab. The hon. Member also mentioned that most of the trains are terminating at Delhi. In this respect, I may submit that there are 40 trains coming from Punjab, out of which 16 trains are terminating at Delhi, and 24 trains pass *via* Delhi. I have examined the whole issue only to find out whether there is no lay over train for the terminating train to extend to the area down South, namely Gurgaon, Rewari and Alwar. However, there is a case for increasing the line capacity. What we find today is that from Delhi to Rewari, the capacity utilisation is about 115 per cent. This is a little more from Rweari to Alwar, that is, about 116 per cent. That being the case, what we are trying to do is to now start

a parallel train from Rewari to Delhi, which has been the MG. That means we have been operating seven pairs of trains till last month. We have now created a mega block there and have started four pairs of shuttle trains between Rewari and Delhi. This is in respect of increasing the capacity;

Sir, he was also taking about the transportation of grains etc. In fact, this is a matter which is to be examined. If doubling is over from Rewari to Delhi, the capacity will increase. The proposal for a single line from Rewari to Alwar will be examined at a later date. Increasing the capacity or doubling the line etc. will also be thought of at a later date.

Regarding the extension of trains from Delhi to the other areas of Punjab, again, the line capacity is more than 100 per cent; whether it is via the Kurukshertra line or via the Jind line to Bhatinda, or for that matter, any line going to Punjab is over exploited. That being the case, we are unable to extend or divert the limited capacity, Further, Sir,'to extend' or 'to divert' means a lot of resentment among the people because they do not want to lose any privilege of the originating trains. If at all we do it, it will be only when new trains are introduced.

श्री धर्मपाल सग्रवाल: उपसभापति जी, मेरा सैकिण्ड सप्लीमेंट्री है।

श्री उपसभापति: हां, वह इतनी लंबी सप्लीमेंट्री हो गई।

श्री धर्मपाल सग्रवाल: उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से दूसरा सप्लीमेंट्री पूछना चाहता हूं। क्या मंत्री जी के विभाग में कोई ऐसा प्रस्ताव है कि चंडीगढ़ से होशियारपुर होते हुए उधमपुर को जोड़ा जाए? कोई ऐसी रेल जोड़ी जाएगी तो सुरक्षा के संबंध में भी बहुत लाभ होगा और सफर भी बहुत कम हो जाएगा। अगर ऐसा कोई प्रस्ताव है तो बताइए, अगर नहीं है तो यदि आपके पास ऐसा प्रस्ताव आएगा तो क्या आप विचार करेंगे?

SHRI R. VELU: Sir, this is a question on which the hon. Member has aptly put a supplementary, whether such a proposal is there. I am not aware of it. I can furnish the information to the hon. Member separately.

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभापति जी, एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न को मंत्री जी ने केवल एक वाक्य में यह कहकर खारिज़ कर दिया कि संसाधनों की तंगी और परिचालनिक कठिनाइयां हैं। उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि देश के रेलवे के नक्शे में हरियाणा का बहुत कम हिस्सा है। जब देश के बाकी भागों को रेलवे से जोड़ा जा रहा है तो हरियाणा को यह तर्क बार-बार क्यों दिया जा रहा है कि that there are operational difficulties, that there are financial constraints.

मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि आपने इसे तो नॉट फिजिबल करार दे दिया, लेकिन एक और प्रस्ताव, गुडगांव और रिवाड़ी को झज्जर से जोड़ने का पिछली एन.डी.ए. सरकार ने स्वीकृत कर रखा है, उसमें प्लानिंग कमीशन की स्वीकृति बाकी है, क्या आप निजी रुचि लेकर इस बार के बजट में उस प्रस्ताव को स्वीकृति देंगे?

SHRI R. VELU: Sir, I have never said that we will not consider. Also, I have never said that Haryana is fully covered or that it is given more lines etc. What I am trying to say is this. The question is whether you can divert or extend the lines so as to link Rewari, Alwar and Gurgaon to Punjab. The hon. Member's point that Haryana should be given more lines, more capacity etc. What I have said is "because of operation constraints, the existing line is over exploited." Sir, on that, we can't extend or divert, but...

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: My specific question is about Jhajhar.

SHRI R. VELU: I am coming to your point. -...*(Interruptions)*... I am coming to that. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is about Jhajhar.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: Sir, My specific question is regarding Gurgaon and Rewari, connecting to Jhajhar.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Whether you can connect the line from Rewari to Jhajhar. This is her specific question.

SHRI R. VELU: I am not aware of that Sir. I will furnish the details to the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, Dr. M.S. Gill.

श्रीमती जमना देवी बारपाल: उपसभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए, मैंने एम.एस. गिल साहब को बुलाया है। ऐसा नहीं हो सकता है। ...(व्यवधान)...

श्री एम.एस. गिल: नहीं, उनके साथ रिश्ता है मेरा। Sir, Amritsar on the western border of India, a spiritual and great historical trade centre, is very poorly connected not only just with Delhi but also with Chennai, Bangalore, Bombay, Calcutta and Trivandrum. That Amritsar people want to go to these places. I get letter from there that the trains which leave Amritsar leave at impossible time for the convenience of the end and not of the beginning. Would he kindly consider more trains for Amritsar, convenient trains, comfortable to

the people there? Remember, they have no Indian airlines flight. No flights go to that airport internally from India except the Deccan Airways. Would he kindly consider seriously doing something about it?

SHRI R. VELU: Sir, I have also visited Amritsar a couple of times recognising the fact that it is a most religious place and all of us necessarily visit that place. No doubt about it.

Coming to his point of connecting Amritsar with some of the southern parts like Trivandrum, Chennai, etc., there is a capacity constraints at Amritsar. We don't have additional coach maintenance and pit lines there. Now, recently, we have sanctioned one additional pit line and maintenance, which necessarily augment the capacity there, so that introduction of more trains is possible. I don't know whether I can have trains to Trivandrum, Chennai, etc. But, however, I shall get his point examined so that this most religious, holy, place will connect us from the South and our people from down South can visit Amritsar to get that kind of blessings.

श्रीमती जमना देवी बारुपाल: आदरणीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि पूरे भारतवर्ष में SC/ST के कितने GM लगे हुए हैं?

श्री उपसभापति: यह इस सवाल से संबंधित नहीं है।

श्रीमती जमना देवी बारुपाल: रेल के संबंध में जो बोल रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: नहीं, यह इस सवाल से संबंधित नहीं हैं। अबू आसिम आजमी जी, आप पूछिए।

†**श्री अबू आसिम आजमी:** सर, मेरा सवाल रिजेक्ट मत कर दीजिएगा, मेरा सवाल मुंबई के बारे में है ...(**व्यवधान**)... थोड़ा सा मुंबई के बारे में बता दीजिएगा ...(**व्यवधान**)...

†**شری ابو عاصم اعظمی** : سر، میرا سوال رجیکٹ مت کر دیجئے گا، میرا سوال ممبئی کے بارے میں ہے .....مداخلت.....تھوڑا سا ممبئی کے بارے میں بتا دیجئے .....مداخلت.....

श्री उपसभापति: यह सवाल मुंबई के बारे में नहीं है। मंत्री जी को जवाब देना भी मुश्किल होगा क्योंकि यह सवाल specifically गुड़गांव और अमृतसर के बारे में है। आप अगर पूरे रेलवे विभाग के बारे में बात करना हैं, तो Supplementary Demands आ रही हैं, उसमें बोलिएगा।

†Transliteration in Urdu Speech.

†**श्री अबू आसिम आजमी:** सर, मेरा छोटा सा सवाल है, मंत्री जी केवल इसे सुन लें ...(**व्यवधान**)... मुंबई लोकल ट्रेन में जिस तरह औरतों के रिज़र्वेशन ...(व्यवधान)...

†[**شری ابوعاصم اعظمی** : سر، میرا چھوٹا سا سوال ہے، منتری جی صرف اسے سن لیں.....مداخلت.....ممبئی میں لوکل ٹرین میں جس طرح عورتوں کے رزرویشن.....مداخلت.....]

श्री उपसभापति: यह सवाल इससे संबंधित नहीं है, मेहरबानी से आप बैठिए। आपका सवाल, मूल सवाल से related होना चाहिए।

Agriculture as knowledge-based industry

*246. SHRIMATI JAMANA DEVI BARUPAL:††

DR. T. SUBBARAMI REDDY:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether agriculture is becoming a "knowledge-based" industry globally and in India if remains of subsistence level, although over 66 per cent of population depends on agriculture;

(b) if so, whether experts have urged India to move forward and be globally relevant like information technology;

(c) whether India is also a major exporter of several agricultural commodities and has earned top position in the production of milk, wheat, fruits and vegetables;

(d) whether Government have considered setting up more open universities for agriculture; and

(e) if so, the other steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) to (e) Statement is laid on the Table of the House.

Statement

Agriculture as knowledge based industry

(a) and (b) Agriculture globally and in India, is becoming knowledge intensive. The competition in agriculture has increased sharply on account of several factors such as increasing population, changing consumer

†Transliteration in Urdu Speech.

††The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Jamana Devi Barupal.